भोले का खज़ाना | by Sunil Sarvottam

ना गिन के देता है ना तोल के देता है
मेरा भोला जब भी देता है दिल खोल के देता है

सच्चे मन से जो भी कोई भोले को मनाता है
भोले बाबा से वो प्राणी मनचाहा फल पाता है
ना देरी करता है ना मोल से देता है
मेरा भोला जब भी देता है दिल खोल के देता है

नीलकंठ कैलाशी भोला जग से निराला है
भक्तों के दुखडो को पल में निकाला है
जो वादा करता है वो बोल के देता है
मेरा भोला जब भी देता है दिल खोल के देता है

सोना चांदी हीरे मोती भोले को ना भाये रे
बाबा तो भोला है उसे भांग धतूरा भाये रे
घोटे की मस्ती में वो डोल के देता है
मेरा भोला जब भी देता है दिल खोल के देता है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%96%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-sunil-sarvottam/